

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रेक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं० : 173/2020

1. रणजीत सिंह पुत्र हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।
2. इन्द्रकुमार पुत्र हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।
3. दयाराम पुत्र हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।

:- वादीगण

ब नाम

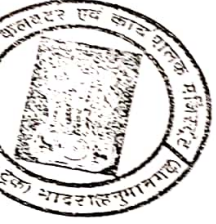
1. हुकमाराम पुत्र बेगराज उर्फ बेगराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।

:- असल प्रतिवादीगण

2. संतोष पुत्री हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।

:- तरतीबी प्रतिवादीगण

:- प्रतिवादीगण



आज यह वाद मुझ सत्यनारायण सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रेक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री श्यामसुन्दर शर्मा एवं वकील प्रतिवादीगण श्री अक्षय कुमार वर्मा की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादीगण साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि मौजा मलसीसर के खाता सं० 315/317 के खसरा सं० 413 की 2.1120 है०, खसरा सं० 413/732 की 4.5530 है०, खसरा सं० 430 की 3.4900 है०, खसरा सं० 454 की 8.3460 है०, खसरा सं० 616 की 5.6280 है० कुल 24.1290 है० खातेदारी प्रतिवादी सं 1 हुकमाराम के नाम से 1/7 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है में वादीगण व प्रतिवादी सं० 1 बहिस्सा बराबर के अनुसार खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादीया सं० 2 संतोष ने अपना हक हिस्सा वादीगण तथा प्रतिवादी सं 1 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादीगण रणजीतसिंह, इन्द्रकुमार व दयाराम व प्रतिवादी सं० 1 हुकमाराम बहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 18.12.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) भादरा R.A.S.
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रेक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़



न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठसीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं० : 173/2020

1. रणजीत सिंह पुत्र हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।
2. इन्द्रकुमार पुत्र हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।
3. दयाराम पुत्र हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।

:- वादीगण

ब न म

1. हुकमाराम पुत्र बेगराज उर्फ बेगराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।

:- असल प्रतिवादीगण

2. संतोष पुत्री हुकमाराम जाति खाती निवासी मलसीसर त० भादरा।

:- तरतीबी प्रतिवादीगण

दावा बाबत : घोषणात्मक एवं रिकार्ड दुरुस्ती

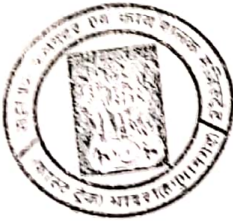
अन्तर्गत धारा 88 राज० काश्त० अधि० 1955

उपस्थिति : वकील श्री श्यामसुन्दर शर्मा : वादी

वकील श्री अक्षय कुमार वर्मा : प्रतिवादीगण

निर्णय

दिनांक : 18.12.2020



संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार हैं कि रोही मौजा मलसीसर के खाता सं० 315/317 के खसरा सं० 413 की 2.1120 है०, खसरा सं० 413/732 की 4.5530 है०, खसरा सं० 430 की 3.4900 है०, खसरा सं० 454 की 8.3460 है०, खसरा सं० 616 की 5.6280 है० कुल 24.1290 है० खातेदारी प्रतिवादी सं 1 हुकमाराम के नाम से 1/7 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है जो पहले वादीगण के दादा बेगराज उर्फ बेगराम की खातेदारी हुआ करती थी। बेगराज उर्फ बेगराम के देहान्त होने पर उक्त भूमि को प्रतिवादी सं० 1 हुकमाराम ने कर्ता खानदान होने के चलते तन्हा अपने नाम विरासतन दर्ज करवा ली।

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू हैं तथा हिन्दू विधि से शासित होते हैं। वादभूमि वादीगण की दादालाई पैत्रिक कृषि भूमि है जिसमें वादीगण का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादीगण अपनी बंटवारा की भूमि को समतल, उपजाऊ बनाकर सुधार करना चाहते हैं जिसके लिए उन्हें केसीसी, ऋण आदि की आवश्यकता रहती है इसलिए वादीगण ने प्रतिवादीगण को उक्त वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये लिहाजा यही बनाए मुखास्मत है।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तामील किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादीगण एवं प्रतिवादी सं 1 ता आपसी सहमती से राजीनामा पेश किया गया। प्रतिवादीगण गण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में साक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में पीडब्ल्यू 1 रणजीत सिंह पुत्र हुकमाराम के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी मलसीसर खाता सं० 315/317 प्रदर्श

1. जमाबंदी मलसीसर संवत् 2051 प्रदर्श 2, वारिस प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत मलसीसर प्रदर्श 3 प्रदर्शित करवाये।

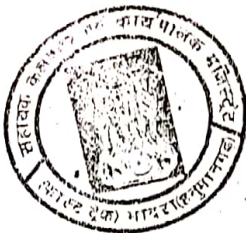
बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादीगण ने वाद के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादीगण की दादालाई पैत्रक कृषि भूमि है जिसमें वादीगण का जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादी के हकों पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैत्रक सम्पति साबित होने पर वाद वादीगण डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।


हमारे द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तागत प्रकरण में वादी ने ग्राम भिरानी के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने दावा की पुष्टि में जो सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी वारिस प्रमाण पत्र मय शपथ पत्र प्रदर्श 3 प्रदर्शित करवाये। उनमें वाद भूमि वादी के दादा बेगराज उर्फ बेगाराम से विरासतन प्राप्त होना दर्ज है जिससे वादभूमि दादालाई पैत्रक कृषि भूमि होना साबित है एवं वारिस प्रमाण पत्र प्रदर्श 3 में हुकमाराम के वारिसान में 3 पुत्र रणजीत सिंह, दयाराम व इन्द्रकुमार व 1 पुत्री संतोष व इनके अलावा अन्य कोई वारिसान नहीं होना अंकित है। इस प्रकार वाद भूमि में वादीगण तथा प्रतिवादी सं 1 का बहिस्सा बराबर है। चूंकि प्रतिवादी सं 2 संतोष ने अपना हक हिस्सा वादीगण तथा प्रतिवादी सं 1 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इस प्रकार वादभूमि में वादीगण व प्रतिवादी सं 1 बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जावें। इस प्रकार वाद वादीगण मुताबिक राजीनामा व पैत्रक सम्पति के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर स्वीकृत किया जाता है।।

कियात्मक आदेश

अतः वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा मलसीसर के खाता सं 0 315/317 के खसरा सं 0 413 की 2.1120 है 0, खसरा सं 0 413/732 की 4.5530 है 0, खसरा सं 0 430 की 3.4900 है 0, खसरा सं 0 454 की 8.3460 है 0, खसरा सं 0 616 की 5.6280 है 0 कुल 24.1290 है 0 खातेदारी प्रतिवादी सं 1 हुकमाराम के नाम से 1/7 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है में वादीगण व प्रतिवादी सं 0 1 बहिस्सा बराबर के अनुसार खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादी सं 0 2 संतोष ने अपना हक हिस्सा वादीगण तथा प्रतिवादी सं 1 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादीगण रणजीतसिंह, इन्द्रकुमार व दयाराम व प्रतिवादी सं 0 1 हुकमाराम बहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 18.12.2020 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक)
(फास्ट ट्रेक) भादरा A.S.

सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रेक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़